



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 966]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 7, 2017/चैत्र 17, 1939

No. 966]

NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 7, 2017/CHAITRA 17, 1939

नागर विमानन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 मार्च, 2017

विषय : असेवित और अल्प-सेवित हवाई अड्डों/हवाई पट्टियों के पुनरुद्धार तथा आरसीएस-उड़ान द्वारा क्षेत्रीय संपर्कता संवर्धन के अंतर्गत निगरानी एवं समन्वय समिति का गठन

का.आ. 1092(अ).—राष्ट्रीय नागर विमानन नीति, 2016 के अनुसरण में, सरकार असेवित और अल्प-सेवित हवाई अड्डों/हवाई पट्टियों के पुनरुद्धार तथा आरसीएस-उड़ान द्वारा क्षेत्रीय संपर्कता संवर्धन को कार्यान्वित कर रही है।

2. उपर्युक्त वर्णित योजनाओं के लिए अंतर-मंत्रालयी निगरानी एवं समन्वय समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है। उपर्युक्त समिति की संरचना निम्नानुसार होगी :-

1	सचिव, नागर विमानन	अध्यक्ष
2	राजस्व विभाग के प्रतिनिधि (संयुक्त सचिव से कम रैंक के न हों)	सदस्य
3	रक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधि (संयुक्त सचिव से कम रैंक के न हों)	सदस्य
4	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के प्रतिनिधि (संयुक्त सचिव से कम रैंक के न हों)	सदस्य
5	गृह मंत्रालय के प्रतिनिधि (संयुक्त सचिव से कम रैंक के न हों)	सदस्य
6	महानिदेशक नागर विमानन	सदस्य
7	अध्यक्ष, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण	सदस्य
8	महानिदेशक नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो	सदस्य
9	संयुक्त सचिव (आरसीएस प्रभारी), नागर विमानन मंत्रालय	सदस्य
10	संयुक्त सचिव (हवाई अड्डा विकास प्रभारी)	संयोजक
11	संबंधित एयरलाइनों के प्रतिनिधि	विशेष आमंत्रिती
12	संबंधित राज्य सरकार/संघ शासित प्रदेश के प्रतिनिधि	विशेष आमंत्रिती

आवश्यक होने पर अध्यक्ष किसी अधिकारी (अधिकारियों)/विशेषज्ञ (विशेषज्ञों) को सहयोजित कर सकते हैं।

विचारार्थ विषय :

- (क) समिति असेवित और अल्प-सेवित हवाई अड्डों/हवाई पट्टियों के पुनरुद्धार और आरसीएस उड़ान द्वारा क्षेत्रीय संपर्कता संवर्धन की योजनाओं की समग्र निगरानी के लिए उत्तरदायी होगी।
- (ख) समिति योजनाओं के समयबद्ध कार्यान्वयन के लिए राज्य सरकारों और संघ शासित प्रदेशों सहित संबंधित स्टेकधारकों के साथ समन्वय के लिए उत्तरदायी होगी।
3. इसे सक्षम प्राधिकारी का अनुमोदन प्राप्त है।

[फा. सं. एवी.13011/3/2016-डीटी]

अरुण कुमार, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF CIVIL AVIATION
NOTIFICATION

New Delhi, the 30th March, 2017

Subject : Constitution of the Monitoring-cum-Coordination Committee under Promotion of Regional connectivity by way of revival of unserved and underserved airports/airstrips and RCS-UDAN.

S.O. 1092(E).—In pursuance of the National Civil Aviation Policy, 2016, the Government is implementing Promotion of Regional Connectivity by way of revival of unserved and underserved airports/airstrips and RCS-UDAN.

2. It has been decided to constitute an Inter-Ministerial Monitoring-cum-Coordination Committee for above mentioned Schemes. The composition of the said committee will be as under: -

1.	Secretary, Civil Aviation	Chairperson
2.	Representative of Department of Revenue (Not below the rank of JS)	Member
3.	Representative of Ministry of Defence (Not below the rank of JS)	Member
4.	Representative of Ministry of Petroleum and Natural Gas (Not below the rank of JS)	Member
5.	Representative of Ministry of Home Affairs (Not below the rank of JS)	Member
6.	Director General of Civil Aviation	Member
7.	Chairman, Airports Authority of India	Member
8.	Director General of Bureau of Civil Aviation Security	Member
9.	Joint Secretary (In charge of RCS), Ministry of Civil Aviation	Member
10.	Joint Secretary (In charge of Airport Development)	Member Convener
11.	Representatives from Airlines concerned	Special Invitees
12.	Representatives of concerned State Government/UT	Special Invitees

Chairperson may co-opt any officer(s)/expert(s) when required.

Terms of Reference:

- (a) The Committee shall be responsible for overall monitoring of the Schemes of Promotion of Regional connectivity by way of revival of unserved and underserved airports/airstrips and RCS-UDAN.
- (b) The Committee shall be responsible for coordinating with the concerned stakeholders including the State Governments and UTs for time bound implementation of the Schemes.
3. This has the approval of the Competent Authority.

[F. No. AV. 13011/3/2016-DT]

ARUN KUMAR, Jt. Secy.